International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 03 Issue 20
December 2016

भारत के मध्य एशियाई देशों के साथ सम्बन्ध

कुँवर भास्कर परिहार

एम.ए. राजनीति विज्ञान

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर

भारत की 'कनेक्ट सेण्ट्रल एशिया पॉलिसी' का आधार एक समग्र ऐतिहासिक–सांस्कृतिक चेतना में निहित है। भारत मध्य एशियाई देशों के साथ सशक्त राजनीतिक सम्बन्धों का निर्माण चाहता है। इन देशों के नेताओं के साथ परस्पर बेहतर सम्बन्धों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत रणनीतिक तथा सुरक्षा सम्बन्धों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत रणनीतिक तथा सुरक्षा सम्बन्धी मामलों में इन देशों के सहयोग की अपेक्षा रखता है। इसमें सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अनुसंधान आतंकरोधी अभियान तथा 'हार्ट ऑफ अफगानिस्तान' शामिल है।

भारत तथा मध्य एशियाई देशों के मध्य सम्बन्धों के विविध क्षेत्र

सोवियत संघ के विघटन के पूर्व भारत और सोवियत संघ के बीच बहुत ही गहरे सम्बन्ध रहे। वर्ष 1991 में जब इस संघ का विभाजन हुआ तब मध्य एशियाई देश जो रूस से अलग अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाने में लगे थे, भारत ने भी इन्हें सहयोग प्रदान किया। इन देशों ने वर्ष 1993 में अपने–अपने नये संविधान गठित किये, जो रूसी संविधान से भिन्न रहा। अतः इन देशों को गृह युद्ध की स्थिति का सामना करना पड़ा।

भारत की विदेश नीति के अन्तर्गत विश्व के अधिकांश देशों के साथ राजनयिक, व्यापारिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक सम्बन्ध रहे। इसी क्रम में भारत के मध्य एशियाई देशों के साथ भी प्रारम्भ से ही अच्छे सम्बन्ध रहे हैं। इन देशों के साथ समय–समय पर राजनीतिक मुद्दों तथा यात्राओं के माध्यम से कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर समझौते होते रहे, जिनसे भारत से मध्य एशियाई देशों के रिश्ते मजबूत रहे।

कजाकिस्तान

कजाकिस्तान एशिया के एक बड़े भू–भाग पर फैला हुआ देश है, जो वर्ष 1991 से स्वतंत्र अस्तित्व में आया। इस देश की राजधानी अस्ताना तथा राजभाषा कजाख एवं रूसी है। भारत तथा कजाकिस्तान के सन्दर्भ मधुर रहे हैं। दोनों ही देशों के राजनयिकों ने कई राजकीय यात्राएं की तथा विभिन्न क्षेत्रों में

महत्वपूर्ण समझौते भी किये। वर्ष 1992 में कजाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति नूरसुल्तान नजरबायेव ने पहली विदेश यात्रा भारत की थी।

आर्थिक सम्बन्ध

कजाकिस्तान मध्य एशिया में भारत का सबसे बड़ा आर्थिक साझेदार देश है। यहां पेट्रोलियम का बड़ा भण्डार है, जो इन देशों की आर्थिक सम्पन्नता को प्रदर्शित करता है। वर्ष 2011 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कजाकिस्तान की यात्रा की थी, इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक व्यापार बढ़ाने सम्बन्धी वार्ता हुई थी और सात समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कजाकिस्तान की यात्रा की। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं व्यापार क्षेत्रों का विकास एवं आतंकवाद से निपटने में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करना था। मुक्त व्यापार हेतु एफटीए से दोनों देशों के बीच आर्थिक सम्बन्धों का विस्तार बढ़ेगा।

राजनीतिक एवं सामरिक सम्बन्ध

दोनों देशों के बीच राजनीति एवं सामरिक सम्बन्ध मजबूत रहे हैं। वर्ष 2009 में कजाकिस्तान के राष्ट्रपित महामहिम नूरसुल्तान नजरबायेव ने गणतन्त्र दिवस (26 जनवरी) पर भारत की राजकीय यात्रा के दौरान मुख्य अतिथि रहे। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों और सहयोग की दृष्टि से द्विपक्षीय सम्बन्धों को सुदृढ़ बनाने और सहयोग के क्षेत्रों को विविध बनाने के प्रति वचनबद्धता प्रकट की गई।

सांस्कृतिक सम्बन्ध

भारत और कजाकिस्तान के सम्बन्ध मध्यकाल से ही रहे हैं। मध्यकाल में आर्थिक और व्यापार की दृष्टि से लोगों का एक–दूसरे देशों में आना जाना था। कजाकिसतान में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया।

महत्वपूर्ण समझौते

यूरेनियम समझौता भारत और कजाकिस्तान के बीच वर्ष 2015 से 2019 तक के लिये परमाणु ईधन के लिये 5000 टन यूरेनियम की आपूर्ति पर समझौता हुआ है। भारत ने कजाकिस्तान से असैन्य परमाणु सहयोग को बढ़ाने पर यह दूसरा बड़ा सहयोग किया है। इसके पूर्व में भी एक समझौते के अन्तर्गत कजाकिस्तान भारत को 2100 टन यूरेनियम प्रदान करता रहा है। यह समझौता 7–8 जुलाई, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कजाकिस्तान यात्रा के दौरान हुआ। इस यात्रा के 5 अन्य महत्वपूर्ण समझौते भी हुए, जो इस प्रकार हैं।

- कैदियों के हस्तांतरण।
- भारत और कजाकिस्तान के बीच रक्षा व सैन्य तकनीकी सहयोग पर करार।
- भारत, कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एक्सपो तकनीकी सहयोग पर करार।
- भारत, कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एक्सपो 2017 में वृहद स्तर पर भगीदारी करेगा।
- अगले पांच वर्षों के लिये कजाकिस्तान के 6 विश्वविद्यालयों के साथ 'युवा स्थानान्तरण कार्यक्रम की शुरूआत की गई।
- प्राकृतिक यूरेनियम कसण्ट्रेट की बिक्री व खरीद के लिये परमाणु ऊर्जा विभाग और जेएससी राष्ट्रीय परमाणु कम्पनी 'काजएटमप्रोम' के बीच दीर्घावधिक संविदा।

ताजिकिस्तान

ताजिकिस्तान भी सोवियत संघ से विघटन के पश्चात गणतन्त्र बना। वर्ष 1992 से 1997 तक गृह युद्ध से जूझता रहा इस देश की कूटनीति भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। गृह युद्ध के कारण यहां की अर्थ–व्यवस्था चौपट हो गई। यहां की राजधानी दुशानबे है। भारत और ताजिकिस्तान के बीच गहरे सम्बन्ध रहे हैं। परन्तु इन दोनों देशों के बीच व्यपार एवं आर्थिक विकास सम्बन्ध उनकी क्षमता के अनुरूप नहीं है।

आर्थिक सम्बन्ध

विगत कुछ वर्षों में भारत और ताजिकिस्तान के बीच आर्थिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों में काफी प्रगति हुई है। ताजिकिस्तान भारत और एशियाई देशों को जोड़ने में एक अहम देश है। इसके अलावा इस देश में ऊर्जा के अपार भण्डार हैं, जिनसे भारत को महत्वपूर्ण फायदा पहुंच रहा है। भौगोलिक दृष्टि से ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान का निकटतम पड़ौसी देश है। भारत, ईरान, अफगानिस्तान तथा ताजिकिस्तान के साथ जुड़कर ही मध्य एशिया के अन्य देशों से अपने आर्थिक सम्बन्ध मजबूत बनाने की दिशा में अग्रसर हैं।

राजनीतिक तथा सामरिक सम्बन्ध

वर्ष 2017 में भारत और ताजिकिस्तान के राजनीतिक सम्बन्धों के पूरे 25 वर्ष हो जायेंगे। अब तक भारत और ताजिकिस्तान ने एक लम्बी रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर द्विपक्षीय सम्बन्धों को एक नया आयाम दिया है। दिसम्बर, 2016 में ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति एमोमाली रहमान दो दिवसीय भारत की यात्रा पर रहे । इस यात्रा के दौरान चार महत्वपूर्ण समझौते हुए। इसके पूर्व जुलाई 2015 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ने एशियाई देशों की यात्रा के दौरान क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों, आतंकवाद एवं रक्षा क्षमताओं के विकास हेतु सहयोग देने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सांस्कृतिक संबंध

भारत और ताजिकिस्तान के लोगों के बीच सांस्कृतिक सम्बन्धों को मजबूत करने के लिये 2016–18 अवधि के लिये कला एवं संस्कृति के बीच सहयोग स्थापित करने के लिये दोनों देश एक–दूसरे देश में 'संस्कृति दिवस' का आयोजन करेंगे। भारतीय कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा भी ताजिकिस्तान में लगाई गई है। भारतीय फिल्में भी यहां बहुत लोकप्रिय हैं।

किर्गिस्तान

यह भी मध्य एशिया में स्थित एक देश है, जिसकी सीमा कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान तथा तजाकिस्तान से मिलती है। किर्गिस्तान के साथ भारत के सम्बन्ध अन्य मध्य एशियाई देशों जैसे रहे हैं।

आर्थिक सम्बन्ध

भारत और किर्गिस्तान के मध्य द्विपक्षीय व्यापार $ 27.99 मिलियन है। दोनों ही देशों ने आर्थिक सम्बन्धों को और अधिक मजबूत करने की दिशा में अपनी सहमति जताई है तथा धातु अयस्क, खाल तथा धातु का बचा हुआ माल किर्गिस्तान द्वारा भारत में निर्यात किया जाता है।

राजनीति एवं सामरिक सम्बन्ध

भारत और किर्गिस्तान के राजनीतिक सम्बन्ध उस समय से चले आ रहे हैं, जब यह सोवियत संघ का हिस्सा था। तब से दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रहे हैं। किर्गिस्तान उन देशों में शामिल है, जिन्होंने कश्मीर मुद्दे पर भारत के रूख का समर्थन किया। इसके अतिरिक्त यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत के स्थायी सीट के दावे का समर्थक भी रहा है।

भारत तथा किर्गिस्तान के मध्य खंजर नामक सैन्य अभ्यास की श्रृंखला है। दोनों देशों के बीच रक्षा सम्बन्धों में प्रशिक्षण के साथ–साथ अत्यधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्र में तैनात सैनिकों को होने वालो रोगों के उपचार के लिये एक अनुसंधान केन्द्र को लेकर भी सहयोग दिया जा रहा है।

सांस्कृतिक सम्बन्ध

दोनों देशों के बीच संस्कृति एवं पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग स्थापित किया जा रहा है। किर्गिस्तान की राजधानी बिशकेक में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित हुई है। यहां योग को पहचान मिल रही है।

उज्बेकिस्तान

उज्बेकिस्तान एशिया के केन्द्रीय भाग में स्थित देश है, जो चारों ओर थल से घिरा हुआ है। चौदहवीं शताब्दी में यहां तैमूर लंग का उदय हुआ था। वर्ष 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद यह स्वतन्त्र गणतन्त्र बना। इसकी राजधानी ताशकंद है।

आर्थिक सम्बन्ध

भारत उज्बेकिस्तान से यलो केक (यूरेनियम) का आयात करता है। भारत को 2000 मीट्रिक टन यूरेनियम निर्यात करने के समझौते पर अब तक हस्ताक्षर हुए हैं। इसके अतिरिक्त दोनों ही देश व्यापारिक सम्बन्धों को और बढ़ाने की दिशा में प्रगतिशील हैं इन दोनों देशों के बीच दोहरे कराधान के प्रोटोकाल पर सहमति बन चुकी है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है। अप्रैल 1987 में ताशकन्द में भारतीय वाणिज्य दूतावास खोला गया।

राजनीतिक एवं सामरिक सम्बन्ध

भारत और उज्बेकिस्तान के सम्बन्ध तभी से अच्छे हैं जब यह सोवियत गणराज्य का हिस्सा था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने वर्ष 1955 और 1961 में उज्बेकिस्तान की यात्रा की थी। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री वर्ष 1966 में पाकिस्तान के साथ शान्ति वार्ता हेतु ताशकंद गये थे, जहां उनकी मृत्यु हो गई। इनके सम्मान में ताशकंद में एक सड़क एवं एक विद्यालय का नामकरण किया गया है तथा दो मूर्तियां स्थापित की गई हैं। प्रधानमंत्री नरसिंहराव ने वर्ष 1996 में तथा मनमोहन सिंह वर्ष 2006 में यहां राजकीय यात्रा पर गये थे।

सांस्कृतिक सम्बन्ध

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सांस्कृतिक संबंध बहुत पुराने हैं। मुगल बादशाह बाबर ने भी यहीं से आकर भारत पर आक्रमण किया था। यहां के समकन्द की सबसे बड़ी मस्जिद बीबी खानुम का डिजाइन दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्थित जामा मस्जिद से काफी हद तक प्रभावित है।

यहां 3000 से अधिक भारतीय रहते हैं तथा यहां की कई शिक्षण संस्थाओं में हिन्दी व अन्य भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं की शिक्षा दी जाती है। उज्बेकिस्तान में रेडियो पर हिन्दी का प्रसारण 50 वर्ष से भी

अधिक समय से होता आ रहा है। भारतीय टीवी धाराविक रामायण एवं महाभारत का भी प्रसारण यहां हो चुका है।

तुर्कमेनिस्तान

भारत तथा तुर्कमेनिस्तान के बीच बेहतर द्विपक्षीय सम्बन्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जुलाई, 2015 में मध्य एशियाई देशों के भ्रमण के दौरान तुर्कमेनिस्तान का दौरा किया। इस यात्रा के समय भारत तथा मुर्कमेनिस्तान के बीच सात समझौतों पर हस्ताक्षर किय गए।

दोनों देशों के बीच जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये वे निम्न हैं–

- रासायनिक उत्पादों की सप्लाई को लेकर समझौता
- दोनों देशों में विदेश सेवा संस्था के गठन पर समझौता
- खेल के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता
- योग तथा परम्परागत औषधियों के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता

तापी परियोजना

तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान पाकिस्तान–भारत (तापी) पाइपलाइन प्राकृतिक गैस के लिये एक विस्तृत परियोजना है जिसके निर्माण हेतु सम्बन्धित देशों के बीच समझौता किया गया है।

तापी पाइपलाइन परियोजना पर कार्य 30 दिसम्बर, 2015 को आरम्भ हुआ। इसे वर्ष 2019 तक पूरा होने की सम्भावना है। 1814 किमी गलखायनस गैस फील्ड (तुर्कमेनिस्तान) से फजिल्का (भारत) तक निर्मित होगी, जिससे भारत में अबाध प्राकृतिक गैस भेजी जा सकेगी।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 03 Issue 20
December 2016

References

"Gulf India remittance". Economic Times. Retrieved 4 May 2015.

"India, Bahrain to enhance maritime co-operation". The Economic Times. 25 December 2014. Retrieved 25 December 2014

"India's new foreign minister a strong fan of Israel". The Times of Israel. 27 May 2014. Retrieved 11 November 2014

"Gaza crisis: Modi govt's UNHRC vote against Israel must be lauded". Firstpost. 25 July 2014. Retrieved 16 September 2014.

"Find political solution for Islamic State, Rajnath Singh to advise Israel". The Economic Times. 4 November 2014. Retrieved 4 November 2014

"India, Brazil, South Africa – the power of three". bilaterals.org. Retrieved 21 November 2009.

"Four nations launch UN seat bid". BBC. 22 September 2004. Retrieved 21 November 2009.

Dua, B. D.; James Manor (1994). Nehru to the Nineties: The Changing Office of Prime Minister in India. C. Hurst & Co. Publishers. p. 261.

"Enjoy the difference". The Asian Age. India. Archived from the original on 18 August 2009. Retrieved 21 November 2009.

"India's Look-East Policy". Indianmba.com. Retrieved 21 November 2009

Kenton J. Clymer, Quest for freedom: the United States and India's independence (2013).

Sharma, Dhirendra (May 1991). "India's lopsided science". Bulletin of the Atomic Scientists: 32–36

"India to scale down diplomatic ties with Denmark". 12 July 2012. Archived from the original on 9 May 2013.

"'Made in Germany' lies in the 'gutter' after Volkswagen caught cheating". The Telegraph. 21 September 2015.

"EU-India summit off as Italian marines case rankles". Reuters. 16 March 2015.